पाठ 13. चिड़िया और किसान

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में समस्या के समाधान की क्षमता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता विकसित कर सकें। अपना काम स्वयं करना चाहिए, दूसरों के भरोसे छोड़ने से काम कभी पूरा नहीं हो पाता। यह कहानी इसी संदेश को अपने अंदर समेटे हुए है।

पाठ का सार

एक चिड़िया अपने बच्चों के साथ एक खेत में रहती थी। उस खेत का किसान प्रतिदिन फ़सल देखकर जाता और दूसरों से उस फ़सल को काटने की अपेक्षा करता। भला दूसरे लोग उसका काम क्यों करें! एक दिन जब उसने देखा कि फ़सल के दाने सूखकर झड़ने लगे हैं तब उसने स्वयं ही फ़सल काटने का फ़ैसला लिया। यह जानकर चिड़िया अपने बच्चों को लेकर वहाँ से उड़ गई।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  यह कहानी परिस्थितियों को ठीक से समझने और उससे निपटने के लिए उचित निर्णय लेने की क्षमता विकसित करती है। बच्चों को यह भी बताएँ कि वे अपना काम स्वयं करें। उन्हें स्वावलंबन के महत्व के बारे में बतलाएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 23** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य व्याकरण एवं रचना पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - किसी वस्तु की अच्छाई, बुराई, आकार, रूप-रंग आदि के बारे में चर्चा करें। उदाहरण देकर इसे समझाया जा सकता है। इस प्रकार की विशेषता बताने वाले शब्दों की उपयोगिता भी बताएँ।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - खेती के काम में आने वाले औज़ारों जैसे–हल, खुरपी, हँसिया, कुदाल, आदि के बारे में बताएँ।